राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

पं. दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय में स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स एवं ऑडिटोरियम का शिलान्यास

राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में युवा पीढ़ी को लोकतांत्रिक प्रक्रिया की जानकारी होना जरूरी – राज्यपाल श्री मिश्र

जयपुर, सीकर, 17 अगस्त। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा है कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में युवा पीढ़ी को लोकतांत्रिक प्रक्रिया की जानकारी होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान लोकतांत्रिक आदर्श और मूल्यों का पवित्र ग्रंथ है जिसमें हमारी संस्कृति और सभ्यता की अमूल्य निधि समाहित है।

राज्यपाल श्री मिश्र बुधवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय कटराथल में स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स एवं ऑडिटोरियम के शिलान्यास कार्यक्रम में बोल रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति एकता और अखंडता को बढ़ावा देती है। उन्होंने कहा कि महान विचारक पं. दीनदयाल उपाध्याय भारतीयता के मूर्तरूप थे। उनके विचारों से राष्ट्र और व्यक्ति का सर्वांगीण विकास संभव है। इसलिए सबको उनके बताए मार्ग पर चलने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने दीनदयाल के आर्थिक दर्शन को आधार बनाकर 'उत्पादन में बढ़ोतरी, उपभोग पर संयम, वितरण में समानता' की बात की। पं. दीनदयाल का चिंतन समाज की संपूर्णता का चिंतन है।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि शेखावाटी में मातृ भूमि की रक्षा एवं अपने प्राणों की आहुति देने वाले सर्वाधिक वीर सपूत दिये हैं और ऐसे उद्यमी भी दिये हैं जिन्होंने व्यवसाय, उद्योग के क्षेत्र में देश को बुलंदियों पर पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय महान विचारक और राजनितिज्ञ ही नहीं थे बल्की उनका उच्च शिक्षा से भी नाता था। उन्होंने शिक्षा में आमूलचुल परिवर्तन करते हुए समाज के नव निर्माण को सर्वोपरी रखते हुए सदैव कार्य किया। उनका एकात्म मानववादवाद की विचार धारा, राष्ट्र के सर्वांगीण विकास पर ही अधिक जोर था।

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि प्रदेश की स्थापत्य कला में अपने देश की संस्कृति छलकती है। शेखावाटी के जर्रे–जर्रे में बलिदान की भावना देखने को मिलती है और शेखावाटी के कण–कण में लक्ष्मी निवास करती है। शेखावाटी में टाटा, बिड़ला, डालमिया, पौदार भामाशाह, उद्योगपति हुए हैं। शेखावाटी में सालासर, खाटूश्याम, जीणमाता, शाकम्भरी सहित अन्य धार्मिक स्थान है। लोगों के आर्थिक विकास के माध्यम भी धार्मिक स्थल है। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय में शहीदों के त्याग, बलिदान, शहीद वीरांगनाओं की जानकारी देने के लिए शोधपीठ स्थापित किया जायेगा।

कार्यक्रम में पिलानी विधायक श्री जे.पी. चन्देलिया, सीकर विधायक श्री राजेन्द्र पारीक ने भी सम्बोधित किया ।

शेखावाटी विश्व विद्यालय के कुलपति श्री भागीरथ सिंह ने अपने सम्बोधन में विश्वविद्यालय की विकास योजनाओं एवं गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। आरंभ में राज्यपाल श्री मिश्र ने भारतीय संविधान की उद्देशिका एवं संविधान के मूल कर्तव्यों का वाचन कराया।

समारोह में जिले के प्रशासनिक अधिकारी, विश्वविद्यालय के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

————————